''कृषि मंथन–राष्ट्रीय कृषि व्यापार सम्मेलन एवं प्रर्दशनी–2018 भोपाल में नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर की सक्रिय सहभागिता एवं कृषकों/पशुपालकों की आय वृद्धि को दो–गुना लक्ष्य हासिल करने हेतु सार्थक पहल – डॉ. जुयाल''

जबलपुर। माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति जी के मार्गदर्शन में नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा **'' कृषि मंथन–राष्ट्रीय कृषि व्यापार सम्मेलन में आयोजित राष्ट्रीय मेले** में दिनांक 21 से 22 दिसम्बर 2018 तक वि.वि. द्वारा विगत कई वर्षो के अनुसंधान के फलस्वरूप प्रमाणित हुई पशु चिकित्सा एवं पशुपालन की विभिन्न तकनीकियों का विस्तार गतिविधियों के रूप में प्रदर्शनी लगाकर प्रदर्शन किया गया। वि.वि. विस्तार गतिविधियों की प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य कृषक/पशुपालक भाईयों का पशु चिकित्सा एवं पशुपालन संबंधित ज्ञानवर्धन कर उनकी सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार लाना एवम् एकीकृत प्रक्षेत्र पद्धति को अंगीकृत कर अपनी आमदनी को दो–गुना करना था।

कृषि मंथन–राष्ट्रीय कृषि व्यापार सम्मेलन–2018 में माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा कृषकों/पशुपालकों की आय वृद्धि को दो–गुना लक्ष्य हासिल करने हेतु मंच से दिनांक 22 दिसम्बर 2018 को अपने उद्बोधन में पावर पाइंट प्रिजेंटेशन द्वारा विस्तृत रूप से प्रदेश, देश एवं विदेशों से उपस्थितजनों के सम्मुख प्रस्तुत किया गया। इसी अवसर पर **माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर** को आपने पशु चिकित्सा एवं पशुपालन के क्षेत्र शिक्षण, अनुसंधान, विस्तार एवं प्राशसनिक सेवाओं में उल्लेखनीय योगदान हेतु **''कृषि भूषण अवार्ड–2018'', स्मृति चिन्ह एवं सम्मान पत्र से सम्मानित** किया गया।

इस दो दिवसीय मेले में वि.वि. की विभिन्न विस्तार गतिविधियों का जैसे मध्यप्रदेश के मूल स्थानों में पायी जाने वाली गायों की नस्लें:–मालवी, निमारी, केनकथा, गैलाव, भैंस की नस्लः– भदावरी, बकरी की नस्लः– जमुनापारी, कुक्कुट की नस्लः– कड़कनाथ, वि.वि. द्वारा

विकसित उन्नत कुक्कुट नस्लः– नर्मदा–निधि, पशुओं की विकसित नस्लें, वि.वि. द्वारा विकसित पशुधन पंचाग 2018 एवं वि.वि. द्वारा गौ–माता की उपयोगिता के तहत् पंचगव्य सामग्रीः– तुलसी पौधे युक्त गोबर के गमले, गौ–मूत्र अर्क, हवन टिकिया, मच्छरनाशक कुंडली आदि के उत्पादन की आधुनिक तकनीकी जानकारी को फलेक्स, फोल्डर तथा चार्ट के द्वारा प्रदर्शित करते हुये, प्रदर्शन खंड पर विशिष्ट अतिथियों, कृषकों व पशुपालकों को तकनीकी जानकारी से अवगत कराया गया।

साथ ही कृषकों/पशुपालकों की आय वृद्धि को दो–गुना लक्ष्य हासिल करने हेतु **''उन्नत पशुपालन साहित्य''**:– दुधारू पशुप्रबंधन, डेयरी पालन प्रबंधन, सघन गौ–वत्स पालन, व्यवसायिक दुग्ध उत्पादन, दुधारू पशुओं का प्रबंधन एवं उच्च दूध उत्पादन, बकरी पालन प्रबंधन, सघन बकरी एवं सूकर पालन, व्यवसायिक बकरी पालन, वैज्ञानिक पद्धति से बकरी पालन, व्यवसायिक कुक्कुट पालन, कड़कनाथ मुर्गीपालन, जैविक पशुपालन वर्तमान की आवश्यकता, पशु स्वास्थ्य एवं प्रबंधन, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विषयक उन्नत तकनीक, पशु प्रजनन निर्देशिका, हरे चारे के अभाव के समय पशु आहार साइलेज एवं अजोला आदि जैंसे विषयों से संबंधित प्रकाशित पठन–पाठन सामग्री एवं पंचगव्य सामग्रीयों का कृषकों/पशुपालकों को वितरण किया गया।

इस दो दिवसीय मेले में विभिन्न ग्रामोंचलों से आये कृषकों/पशुपालकों की उपस्थिति न केवल उल्लेखनीय रही, अपितु सभी ने वि.वि. के प्रदर्शन खंड की गतिविधियों का अवलोकन किया। **कृषि मंथन–2018, भोपाल में वि.वि. द्वारा गौ–माता की उपयोगिता के तहत् अनुसंधान एवं निर्माण की गई पंचगव्य सामग्रीः– गोबर के गमले, गौ–मूत्र अर्क, हवन टिकिया, मच्छरनाशक कुंडली आदि विशेष आकर्षण का केन्द्र रही।**

इस दो दिवसीय मेले में राष्ट्र के विख्यात विद्वानजनों, विशिष्ट अतिथियों, केंन्द्र व महाराष्ट्र शासन के उच्च अधिकारियों/प्रशासकों, महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश के कृषकों तथा पशुपालकों सहित करीब 151 से अधिक आगंतुकों ने वि.वि. के प्रदर्शन खंड (स्टॉल) का निरीक्षण एवं अवलोकन किया।

कृषि मंथन–राष्ट्रीय कृषि व्यापार सम्मेलन में वि.वि. द्वारा आयोजित **प्रर्दशनी के उत्कृष्ट प्रर्दशन** हेतु डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा, डॉ. अनिल कुमार गौर, प्रभारी विभागाध्यक्ष, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विभाग को स्मृति चिन्हों एवं श्री विजय चौकसे, क्षेत्र सहायक को भी स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मानित किया गया।